मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.04. 2022
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 58 अंक 04 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अप्रैल 2022 बहाई वर्ष : 179

विश्व न्याय मन्दिर

संस्थान प्रक्रिया को समर्थन देने वाले तंत्रों की स्थापना के साथ–साथ, अन्य प्रशासनिक ढाँचे भी धीरे–धीरे आकार प्राप्त कर रहे हैं। कुछ अनुयायियों की यदा–कदा होने वाली बैठकों से, मित्रों के एक बढ़ते हुए कोर ग्रुप के नियमित विचार–विमर्श उभरते हैं, जो ऊर्जा के एक बढ़ते हुए भण्डार को सेवा के क्षेत्र में प्रणालित करने से सम्बन्धित होते हैं। जैसे–जैसे विकास की प्रक्रिया जोर पकड़ना जारी रखती है, वैसे–वैसे योजना बनाने एवं निर्णय लेने की मांगों को पूरा करने में ऐसी व्यवस्था अन्ततः विफल हो जाती है, और एक क्षेत्रीय शिक्षण समिति का गठन किया जाता है, और समीक्षा बैठकें संस्थायित की जाती हैं। **28 दिसम्बर, 2010**

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

• मध्यप्रदेश क्षेत्र के लिए, भोपाल में 20 से 22 मार्च 2022 को एक तीन दिवसीय सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें महाद्वीपीय सलाहकार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस बैठक में प्रदेश के 10 समुदायसमूहों से 60 से भी अधिक मित्रों ने भाग लिया। साथ ही, की समीक्षा की और यह देखा कि उनके द्वारा निर्धारित योजना के अनुसार उन्होंने कितनी उपलब्धि हासिल की हैं तथा कितनी और हासिल करना अभी बाकी हैं। परिषद द्वारा क्लस्टरों के अभिगमन पर विस्तार से प्रस्तुति दी गयी, जिसमें एक वर्ष के दौरान जिन



भोपाल में आयोजित बैठक के प्रतिभागी

लर्निंग साईट और सोसाइटी ऑफ यूनिवर्सल लर्नर्स की ओर से प्रदेश में कार्य कर रहे दो रिसोर्स पर्सन भी शामिल हुए। बैठक के दौरान मित्रों ने प्रदेशभर के समुदायसमूहों में चल रही वर्तमान गतिविधियों क्लस्टरों में विकास प्रक्रिया आगे बढी है उनकी सफलताओं की कहानियों को साझा किया गया। प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा क्षेत्र में एक वर्ष के दौरान मानवसंसाधनों के विकास, रूही संस्थान की



संयोजकों की बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

पुस्तकों का अध्ययन, बच्चों की बहाई बाल नैतिक कक्षा और किशोर कार्यक्रम के विकास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण अवधारणाओं पर गहन परामर्श किया और मित्रों ने नौ वर्ष के लिए प्रदेश का एक लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही, प्रदेश के लिए रिज़वान 2023 तक की एक सुव्यवस्थित योजना तैयार की, जिसके अनुसार मध्यप्रदेश एक वर्ष

शेष पृष्ठ 3 पर

इस अंक में

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• वर्तमान समय तक झारखण्ड के 8 क्लस्टरों के 16 समुदायों में 25 सम्मेलनों का आयोजन पारिवारिक समूहों अथवा समुदाय स्तर पर किया गया है, जिसमें लगभग 2900 प्रतिभागी शामिल हुए। इसमें अनुमानित बच्चे 600, किशोर 400, युवा 800, और वयस्क 1100 शामिल हैं। झारखण्ड में लगभग 700 सम्मेलनों में 400 सम्मेलनों का स्वामित्व उठाते हुए आयोजन हेतु जगह, खाने की सामग्री, बर्तन, साफ–सफाई, भोजन बनाने में सहायता जैसी भावना को महसूस किया गया, जो की इन सम्मेलनों की मुख्य प्रकृति है। सम्मेलन लगभग सुबह 11 से शाम 5 बजे तक आयोजित किए जाते थे। कहीं पर यह और ज्यादा समय तक होते थे, तो कहीं पर कम



बिरसानगर समुदाय में पारिवारिक समूह स्तर पर सम्मेलन

सहयोगियों की सहायता से 35,000 प्रतिभागियों को शामिल करने की योजना है जिसमें से लगभग 224 सहयोगियों को प्रशिक्षित अथवा तैयार किया गया है। सम्पन्न हुए सम्मेलनों की प्रकृति आध्यात्मिक थी कहीं पर पारिवारिक समूह के समय तक। एक ओर जहाँ सम्मेलन की अध्ययन पुस्तिका में निहित विषय–वस्तु उनके आध्यात्मिक और भौतिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल रहे है जैसे की बहाउल्लाह की विश्वव्यापी संकल्पना उन्हें उनके व्यक्तिगत एवं सामुदायिक जीवन



सिल्ली में आयोजित सम्मेलन के दौरान बच्चों की प्रस्तुति

स्तर पर सम्मेलन का आयोजन किया गया, तो कहीं पर समुदाय स्तर पर तमाड़ के सम्मेलन में स्थानीय प्रशासन, प्रतिष्ठित लोगों और सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों को भी शामिल किया गया था। सम्मेलनों के दौरान स्थानीय मित्रों एवं परिवारों ने पर विचार करने हेतु प्रेरित करते हैं। इसी प्रकार अन्य विषय जैसे कैसे जीवंत समुदाय का निर्माण किया जाये और कैसे सामाजिक रूपांतरण में योगदान दिया जाये। दूसरे सम्मेलनों में शामिल हुए बच्चे तथा किशोरों हेतु अलग से शिक्षकों

शेष पृष्ठ 3 पर

बहाई विवाह



असम के गोरेश्वर क्लस्टर के श्री करुणा नाथ और बेजेरा क्लस्टर की सुश्री सुमी नाथ का विवाह 7 मार्च 2022 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



तमिलनाडु के कांचीपुरम की सुश्री कार्तिका पोन्नुसामी वेंकटेशन और उत्तर प्रदेश के लखनऊ के श्री निशांत सिंह का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा कांचीपुरम के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार 14 फरवरी 2022 को सम्पन्न हुआ।



सुश्री श्रुति मणिवासकम और श्री अनीस कुमार का विवाह तमिलनाडु के राजपालयम में बहाई विधिविधान के अनुसार 6 फरवरी 2022 को सम्पन्न हुआ।

अय्याम–ए–हा के अवसर पर सेवा कार्य

• उपवास से पहले के चार या पांच दिन जो अय्याम–ए–हा के होते हैं उन्हें बहुत ही श्रद्धापूर्वक, आध्यात्मिक माहौल में बहुत ही आनंद के साथ मनाया जाता है।



चंडीगढ़ गुलिस्तान में साफ–सफाई करते हुए मित्रगण

इसी शृंखला में चंडीगढ़ में अय्याम–ए–हा का उत्सव बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अय्याम–ए–हा का पहला दिन बहाई गुलिस्तान में सेवा कार्यों को समर्पित था। इस दौरान चंडीगढ़ के मित्रों, किशोर युवक–युवती और बच्चों ने सफाई के साथ–साथ पूरे इलाके को सुंदर बनाने में अपने अथक प्रयासों का परिचय दिया। चंडीगढ़ का बहाई गुलिस्तान एक ऐसा क्षेत्र है जहां संस्थान से संबंधित बहुत सारी गतिविधियाँ, समीक्षा बैठकें और भक्तिपरक बैठकें होती हैं।

दूसरे दिन चंडीगढ़ के बहाइयों की स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने एक दंत चिकित्सक के सहयोग और उनकी टीम की सहायता से सेक्टर 25 चंडीगढ़ के सामुदायिक औषधालय में एक निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में अनेक लोगों ने अपने दांतों की जांच करवाई।

तीसरे दिन चंडीगढ़ की बहाई महिलाएं बहाई गुलिस्तान में एकत्रित हुई थीं, जहां बड़ी संख्या में प्रतिभागी आए थे। सबसे पहले अय्याम–ए–हा के विषय पर चर्चा हुई, उसके बाद उपस्थिति मित्रों को उपवास के महत्व के बारे में गया। अंत में सभी महिलाओं द्वारा कुछ सामाजिक गतिविधियाँ की गईं जैसे सहकारी खेल और गीत–संगीत आदि।



महाराष्ट्र में अय्याम–ए–हा मनाते हुए और गरीबों को खाना देते हुए

• महाराष्ट्र के कल्याण, भिवंडी और डोंबिवली में भी मित्रों के घरों पर अय्याम–ए–हा का उत्सव आनंदमय वातावरण में मनाया गया। इन कार्यक्रमों में क्रमशः 35, 50 और 15 मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी मित्रों ने प्रार्थनाओं का आनंद लिया। उसके उपरांत उन्हें बहाई कैलेंडर, अय्याम–ए–हा के दिनों के महत्व और उपवास के बारे में बताया गया। अय्याम–ए–हा के इस सुअवसर पर बहाई मित्रों ने लगभग 250 गरीब लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए।

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

एवं अनुप्रेरकों द्वारा कक्षाओं का आयोजन कर उनका मनोरंजन किया गया। इस अवसर पर हाल ही में विश्व केंद्र द्वारा प्राप्त दोनों फिल्मों को भी दिखाया एवं देखा गया, जिसकी सहायता से अध्ययन सामग्री की अवधारणा को समझने की नई प्राप्ति हुई। सलाहकार के मार्गदर्शन में 30 दिसम्बर 2022 के सन्देश का अध्ययन भी किया गया। सलाहकार ने अपने अनुभव में साझा किया कि आगामी योजना की शृंखला बहुत ही महत्वपूर्ण है जो आशीर्वादों से भरी हुई है जिसकी



योजना सत्र के दौरान योजना बनाते हुए मित्रगण

में और सहायता मिली। कार्यक्रमों के दौरान संगीत, बच्चों एवं किशोरों द्वारा कला कृतियों की भी प्रस्तुति किया गया। सम्मेलनों का आयोजन कहीं पर तीन दिन तो कहीं पर चार दिनों तक लगातार किया गया और इसकी प्रकृति पूर्ण रूप से आध्यात्मिक रही।

• झारखण्ड की वार्षिक योजना बैठक का आयोजन जमशेदपुर स्थित बिरसानगर समुदाय में सामुदायिक भवन में 5 सफलता में हम सबका योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। प्रत्येक दिन परिपत्र से एक से दो विषयों को पढ़ने के साथ–साथ उसके आधार पर अपनी सीखों और अनुभवों को साझा किया जाता। कुछ अग्रणी क्लस्टरों जैसे की जमशेदपुर, आसनबनी, पटमदा, मानगो, सिल्ली इत्यादि द्वारा अपनी योजना और मूल्यांकन की प्रस्तुति की गयी। उपवास के पवित्र दिनों में आयोजित इस बैठक में अधिकतर मित्रों ने



योजना बैठक के प्रतिभागी अध्ययन करते हुए

से 9 मार्च तक किया गया। इस बैठक में लगभग 80 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें महाद्वीपीय सलाहकार, सोल कार्यक्रम के संयोजक, बिहार लर्निंग साईट, प्रशिक्षण संस्थान को मदद कर रहे रिसोर्स पर्सन, प्रदेश से क्लस्टर राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी, सहायक मंडल सदस्य, परिषद्, प्रशिक्षण संस्थान के सदस्य, अनुभवी शिक्षक, अनुप्रेरक और सह–शिक्षक इत्यादि शामिल हुए। बैठक के दौरान उपलब्धियों एवं चुनौतियों की प्रस्तुति परिषद एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा की गयी। गत वर्ष अध्ययनवृत्त समूह–46, बहाई बाल समूह–88, किशोर समूह–63, भक्तिपरक सभा–1771 उपवास भी धारण किया। मित्रों ने कला और संस्कृति से बैठक में उत्साह का वातावरण बनाये रखा। दूसरे तथा तीसरे दिन परिपत्र के अध्ययन के उपरांत दूसरे सत्र में प्रत्येक क्लस्टर के मित्रों ने समूहों में आगामी एक वर्ष की योजना तैयार की। परिपत्र के अध्ययन के समय प्रतिभागियों में से 4 मित्र पायनियर के रूप में अपनी सेवा देने हेतु उठ खड़े हुए और तुरंत उन्होंने उस स्थान की पहचान करते हुए उसकी योजना भी तैयार की। आगामी एक वर्ष में झारखण्ड की योजना 10,000 गतिविधियों तक पहुँचने की है। परिपत्र के प्रत्येक भाग में निहित अंतर्दृष्टियों के आधार पर रणनीतियाँ तैयार की गयी।

गुरूग्राम में बच्चों और किशोरों का सम्मेलन

गुरूग्राम की क्लस्टर विकास समिति ने स्थानीय आध्यात्मिक सभा और सहायक मण्डल सदस्य के साथ मिलकर बच्चों और किशोरों के सम्मेलन का आयोजन किया। उसकी अनुकम्पा के महत्व के बारे में बताया गया। एक उद्धरण भी पढ़ा गया जिस पर चर्चा और मनन किया गया। इसके बाद सम्पुष्टि की सुरभि नामक पुस्तक के बारे में



सम्मेलन में बच्चे और किशोर अपना उत्साह प्रदर्शित करते हुए

सम्मेलन में 148 बच्चे एवं किशोर, 14 युवा और तीन माताओं सहित कुल 165 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। सभी के बैठने की व्यवस्था योजनाबद्ध तरीके से की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सभी बच्चों और किशोरों के समूहों द्वारा की गईं प्रार्थनाओं से की गई। उसके उपरांत सभी ने अपना–अपना परिचय दिया। उपस्थित सभी मित्रों को ईश्वर और पढ़ा और सभी को अपने–अपने विचारों को साझा करने के लिए कहा गया। जो बच्चे या किशोर स्कूल नहीं जाते हैं उन्हें शिक्षा देने के बारे में योजना बनाई गई। बच्चों ने "तुम बूंदे हो" गीत भी प्रस्तुत किया। सम्मेलन के दौरान बच्चों को चित्रकला करने के लिए दी गई और किशोरों को कला और शिल्प करना सिखाया गया।

मध्य प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

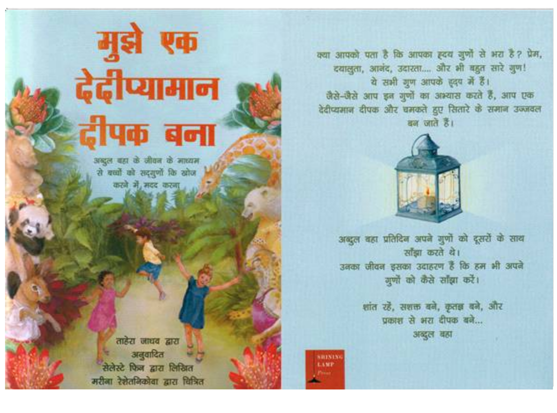
पृष्ठ 1 का शेष

के दौरान 40 क्लटरों में 5000 गतिविधियों के साथ कार्य कर रहा होगा।

• प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा प्रदेश के विभिन्न समुदायसमूहों में सेवारत क्लस्टर एवं सबरीजनल संयोजकों की क्षमता निर्माण हेतु एक तीन दिवसीय संयोजक बैठक का आयोजन 12 से 14 मार्च 2022 तक सुसैरा क्लस्टर में किया, जिसमें 40 से 45 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान मित्रों ने सुसैरा समुदाय में चल रही गतिविधियों का भ्रमण किया और उनसे प्राप्त सीख से अपने समुदाय की वास्तविकताओं के आधार पर आ रही चुनौतियों से सीखने का प्रयास किया। कार्यक्रम में मित्रों ने 30 दिसम्बर 2021 के पत्र से महत्वपूर्ण भागों का अध्ययन किया, साथ ही उच्च स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान नामक प्रपत्र का अध्ययन भी किया।

मुझे एक देदीप्यामान दीपक बना

यह पुस्तक ताहेरा जाधव द्वारा अनुवादित सेलेस्टे फिन द्वारा लिखित और मरीना रेशेतनिकोवा द्वारा चित्रित की गई है। इस पुस्तक का उद्देश्य अब्दुल–बहा के जीवन के माध्यम से बच्चों को सद्गुणों की खोज करने में मदद करना है। यदि



आप इस पुस्तक को लेने के इच्छुक हैं तो अपना पूरा पता व्हाट्सएप नम्बर 9827350953 पर भेजकर मांगा सकते हैं।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Delhi P.S.O. | Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

अब्दुल बहा के स्वर्गारोहण की शताब्दी के अवसर पर कहानी जो अब्दुल बहा ने कही

उदारता

"तुम उदारता का अरूणोदय, अस्तित्व के रहस्यों के प्रभात बिंदु बनो........"

–अब्दुल–बहा

जब मैं माजिन्दरान में था तो थोड़ा छोटा था और उस उम्र में खेले जाने वाले सभी खेलों और आमोद–प्रमोद का आनन्द उठाता था। हमारे शहर में आक़ा रहीम नाम के एक व्यक्ति रहते थे। जो हमारे चरवाहों के निरीक्षक थे। एक दिन वह हमारी माँ के पास आये और उनसे आग्रह करने लगे कि वह मुझे चरवाहों द्वारा दिये जा रहे देहात के एक भोज में जाने की अनुमति दे दें। उनके द्वारा बहुत चिरौरी करने के बाद मुझे अनुमति मिल गई। मैं बहुत प्रसन्न था कि मुझे बाहर कहीं भोज में भाग लेने का अवसर मिल गया।

आका रहीम मुझे अपने साथ ले गये और हम शीघ्र ही देहात पहुँच गये। वह मुझे हरी–भरी घाटियों और सुन्दर चारागाहों से होते हुए एक ऊँचे पर्वत की तलहटी में ले गये। वहाँ पर हम लोगों को एक तंग दर्रे से गुजरना था और फिर एक घुमावदार सड़क से, उसके बाद बहुत ही कठिनाई से धीरे–धीरे शिखर पर चढ़ना था। जब हम ऊपर पहुँचे तो मैंने स्वयं को एक विशाल हरे–भरे चौकोर जगह पर पाकर चकित हो गया। यह मवेशियों का चारागाह था। अभी तक मैं प्रफुल्लित कर देने वाली उस मधुर बयार का स्पर्श महसूस करता हूँ जिसने उस धवल दिवस में मेरे गालों को चूमकर मेरा स्वागत किया था।

वहाँ अच्छी नस्ल के घोड़े और गायें तथा करीब चार हजार भेड़–बकरियाँ थीं। सभी जानवर शांति से इस चौड़ी पहाड़ी पर चर रहे थे। यह अत्यधिक सुन्दर, आदर्श चारागाह का दृश्य था और दूर से मैं अनेक चरवाहे स्त्री–पुरूषों को देख सकता था। हम कुछ दूर और आगे चले। हमने पाया कि बड़ी–सी पर्णशाला में करीब अस्सी या उससे भी अधिक चरवाहों ने मेरा स्वागत किया जो मेरा अभिवादन करने के लिए आतुर हो रहे थे। उन सभी ने अपनी सबसे अच्छी पोशाकें पहन रखी थीं क्योंकि यह उनके लिए एक आनन्द मनाने का दिन था। मेरे लिए यह एक सुन्दर और आकर्षक दृश्य था।

करीब पंद्रह भेड़ों का मांस भूना गया। विशाल कैम्प फायर का आयोजन किया गया था और जब ये सब हो रहा था तब चरवाहे पारम्परिक गीत गा रहे थे। जब दोपहर हुई तो सबने हरी घास पर बैठकर लाजबाब भोजन किया।

जब शाम होने लगी और जाने का समय निकट आने लगा तब सभी चरवाहे हमारे आसपास एकत्रित हुए। उन्होंने संकेत दिया कि वे मुझसे कुछ उपहार की अपेक्षा कर रहे थे जैसा कि उस क्षेत्र के जमींदारों के लिए पारम्परिक था। मैंने आका रहीम से पूछा कि यह क्या माजरा है। मैंने कहा कि मैं इतना छोटा बच्चा हूँ कि उन्हें मुझसे भेंट की अपेक्षा नहीं करनी चाहिये। आका रहीम ने कहा कि आप इन सभी चरवाहों के मालिक हैं और यदि आप बिना कुछ भेंट दिये चले गये तो आपके जाने के बाद वे जो कहेंगे उसको सुन कर मुझे अच्छा नहीं लगेगा।

मैं वास्तव में भ्रम में था लेकिन थोड़ा सोचने के बाद मेरे दिमाग में विचार आया कि क्यों न अपनी भेड़ों के झुंड में से प्रत्येक चरवाहे को कुछ भेड़ें दे दी जायें जिनकी देखभाल वे करते हैं। मैंने अपना यह विचार आका रहीम को बताया तो वह खुश हो गये और उन्होंने ऊँची आवाज में इसकी घोषणा की। अन्ततः हम घर वापस पहुँचे और मेरी उदारता का किस्सा आशीर्वादित सौन्दर्य बहाउल्लाह को सुनाया गया तो वह इस पर हँसने लगे और बाद में कहने लगे कि उन्हें मास्टर के लिए गार्ड नियुक्त करना चाहिए, जो उनकी स्वतंत्रता से उनकी रक्षा करें अन्यथा किसी दिन वह स्वयं का भी दान कर देंगें।

देवलाली में सरपंचों के लिए सम्मेलन

स्थानीय आध्यात्मिक सभा देवलाली द्वारा देवलाली समुदाय में 13 जनवरी, 2022 को सरपंचों के लिये सम्मेलनों की श्रृंखला का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 39 गावों के सरपंच बारे में परामर्श किया।

दस्तावेज पढ़ते समय सरपंचों ने स्त्री–पुरुष समानता पर खुलकर चर्चा की। जीवंत समुदाय के बारे में विचारों को बांटा गया।

कार्यक्रम के अंत में भारतीय



सरपंचों के सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

तथा सांसद श्री हेमंतजी गोडसे ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम की शुरुआत आध्यात्मिक वार्तावरण में प्रार्थनाओं से हुई। कार्यक्रम में अध्ययन के दौरान बहाउल्लाह की परिकल्पना, जीवंत समुदाय और सामाजिक क्रिया के सांसद श्री गोडसे ने बताया की बहाई विचारों की समस्त विश्व को जरुरत है और हो रही श्रृंखलाओं के प्रभाव से दुनिया में एकता का संचार होगा, बहाई संस्थाओं की इस पहल के लिये मैं उन्हें शुभेच्छा देता हूँ।

● निधन

श्री द्वारिका प्रसाद पटेल

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुख हो रहा है कि मध्यप्रदेश में



बदवार, रीवा के समर्पित वरिष्ठ बहाई श्री द्वारिका प्रसाद पटेल का 2 मार्च, 2022 को निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.04.2022
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)